बनवारी रे जीने का सहारा तेरा नाम रे.....

बनवारी रे जीने का सहारा तेरा नाम रे,
मुझे दुनियाँ वालों से क्या काम रे ।।
बनवारी रे ....

झूठी दुनियाँ, झूठे बंधन, झूठी है यह माया,
झूठा साँस का आना–जाना, झूठी है यह काया ।
ओऽऽऽ यहां सांचों तेरो नाम रे ।
मुझे दुनियाँ ....

रंग में तेरे रंग गई गिरधर, छोड़ दिया जग सारा,
बन गई तेरे, प्रेम की जोगन, लेकर मन इकतारा ।
ओऽऽऽ मुझे प्यारो तेरो साथ रे ।
मुझे दुनियाँ ....

दर्शन तेरा, जिस क्षण पाऊं, हर चिंता मिट जाए,
जीवन मेरा, इन चरणों में, आस की ज्योत जलाए ।
ओऽऽऽ मेरी बांह पकड़ लो श्याम रे ।
मुझे दुनियाँ ....

ऐसी वाणी बोलिये, मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय।।